क) कनकनायक आगे चलकर कनकदास बने।

ख) कनकदास ने बालकृष्ण का वर्णन किया है।

ग) कनकदास कर्नाटक के संत कवियों में एक हैं।

घ) कनकदास जी ने करीब चार सौ से भी ज्यादा कीर्तनों की रचना की है।

ङ) कर्नाटक पूरे भारत वर्ष में अपनी कला, संस्कृति

और साहित्य के लिए
प्रसिद्ध है।
ख) कनकदास के द्वारा
गीतों को कीर्तन कहा
जाता है।
ग) कनकदास के गुरु का
नाम व्यासराय थे।
घ) कनकदास जी कन्नड़
साहित्य सागर के
चमकते सितारे है।